नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी १९३४ से

शुक्रवार। 23 जनवरी 2026। वर्ष 70 । अंक 1 । पृष्ठ 12 । मूल्य रु. 5.00

बसंत पंचमी एवम् नवभारत स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में रखा मध्यप्रदेश का हरित ऊर्जा विज़न

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में चौथा स्थान हासिल करते हुए अब विश्व की तीसरी सबसे सशक्त अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार से बदलते समय में देश के प्रत्येक राज्य के पास आगे बढ़ने के सुनहरे अवसर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दावोस चर्चा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगार और भारतीय उत्पादों को विश्व बाजार तक पहुंचा रहे हैं, जिससे मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से सम्पन्न बने। हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि इन प्रयासों से हमारा प्रदेश समृद्ध हो मध्यप्रदेश में निवेश की सभी तरह की संभावनाएं हैं। अच्छी टेक्नॉलोजी को लागू करने के लिए विश्व के प्रमुख उद्यमियों को आमंत्रित करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से अग्रसर हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डी-रीस्किंग द ग्रीन लीप: सब नेशनल ब्लू प्रिंट फॉर यूटिलिटी स्केल एनर्जी ट्रांजीशन विषय पर आयोजित उच्च स्तरीय राउंड टेबल मीटिंग में भागीदारी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य की ऊर्जा यात्रा में नवकरणीय ऊर्जा की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा मध्यप्रदेश के समावेशी और टिकाऊ विकास की आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन को प्रेरणा बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य स्वच्छ, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है।

इंडोनेशिया के ईस्ट जावा प्रांत के उप-राज्यपाल एमिल एलेस्टियान्तो डार्डक ने कहा कि उप-राष्ट्रीय सरकारें भी राष्ट्रीय नीतियों में परिवर्तन की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की प्रगतिशील नीतियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश ने हरित ऊर्जा को विकास की मुख्य धारा में शामिल किया है। उन्होंने बताया कि अन्तर्राज्यीय सहयोग और बेहतर समन्वय से राज्य में बिजली और जल आपूर्ति में स्थिरता आई है। इससे आम उपभोक्ताओं के साथ उद्योगों को भी लाभ मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य में सौर ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण से जुड़ी नई नवकरणीय परियोजनाओं की प्रगति और आगामी योजनाओं की जानकारी भी दी। राउण्ड टेबल मीटिंग के समापन-सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी के हरित ऊर्जा विज़न को साझा किया। उन्होंने नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नीति स्थिरता के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह उपभोक्ताओं और ऊर्जा क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। केन्द्रीय मंत्री जोशी ने सुधारोन्मुख राज्यों, विशेषकर मध्यप्रदेश की सराहना की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की सौर ऊर्जा संबंधित उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर पर साझा की जा सकती हैं। उन्होंने श्रम, भूमि और ऊर्जा के बेहतर समन्वय से स्वच्छ ऊर्जा में जोखिम कम करने के मध्यप्रदेश मॉडल को उल्लेखनीय बताया और प्रौद्योगिकी निवेश और ब्लेंडेड फाइनेंस पर ज़ोर दिया।

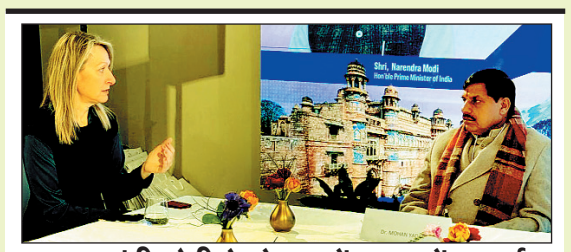

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में ए आई आधारित विकास को नई दिशा एवं गति : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभावी उपयोग से किसानों सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक योजनाओं और सेवाओं का लाभ अधिक दक्षता और पारदर्शिता के साथ पहुँचाया जाएगा। राज्य सरकार की मंशा है कि एआई को विभिन्न शासकीय डाटाबेस से जोड़कर सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाया जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम दावोस में NVIDIA की ग्लोबल एआई इनिशिएटिव्स की उपाध्यक्ष कैलिस्टा रेडमंड ने कहा कि NVIDIA संप्रभु (सॉवरेन) एआई के विकास के लिए पाँच प्रमुख रणनीतियों पर कार्य कर रही है, जिनका उद्देश्य एआई को देशों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाना है। उन्होंने बताया कि एआई के माध्यम से कुशल मानव संसाधन को उपयुक्त उद्योगों और अवसरों से प्रभावी रूप से जोड़ा जा सकता है, जिससे न केवल रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, बल्कि नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश में पर्यटन के नए युग का हो रहा है सूत्रपात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैश्विक समुदाय का आह्वान करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश न केवल निवेश के अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह 'अतिथि देवो भव:' की सनातन संस्कृति और आधुनिक नवाचार के उत्कृष्ट समन्वय कर संगम भी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवाचार और सुदृढ़ कनेक्टिविटी के माध्यम से मध्यप्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि राज्य केवल अपनी भौगोलिक स्थिति ही 'भारत का हृदय' नहीं है, बल्कि अपनी नवाचारी नीतियों और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित कर पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर एक बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा है।

सचिव पर्यटन और प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी. ने एक सारगर्भित प्रेजेंटेशन से राज्य के पर्यटन परिदृश्य का 'स्नैप शॉट' प्रस्तुत किया। उन्होंने

कहा कि मध्यप्रदेश की वन्य जीव संपदा, स्थापत्य कला और गौरवशाली इतिहास अद्वितीय हैं। उन्होंने राज्य की साहसिक निवेश रणनीति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि टूरिज्म और हॉस्पिटिलिटी सेक्टर्स के लिए मध्यप्रदेश के पास अधिशेष बिजली, भूमि और जल संसाधन उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स - कृपया फॉलो करें

एक बेहतरीन डेस्टिनेशन बनकर उभरा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के प्रतिष्ठित वैश्विक पटल पर मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और निवेश संभावनाओं का गौरवशाली चित्रण पर आकर्षक प्रेजेंटेशन दिया। 'रीइमेजिनिंग टूरिज्म एट स्केल : हाउ मध्यप्रदेश इज ड्राइविंग ग्रोथ थ्रू इनोवेशन, कल्चर एंड कनेक्टिविटी' विषय पर आयोजित एक उच्च स्तरीय सेशन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्वेस्टमेंट और हॉस्पिटिलिटी सेक्टर्स के प्रतिनिधियों को 'अतुल्य भारत के हृदय प्रदेश' की विकास यात्रा में सहयात्री बनने के लिये आमंत्रित किया।

वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम-2026 दावोस

वैश्विक निवेशकों से मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दावोस में विभिन्न वैश्विक एवं राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भेंट कर प्रदेश की निवेश संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, पर्यटन, मीडिया तथा औद्योगिक सहयोग के विविध पहलुओं पर सार्थक संवाद हुआ।

जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन

संवाद के दौरान जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं कार्यकारी प्रबंध निदेशक हाशियामा शिगेटो के साथ मध्यप्रदेश में JBIC द्वारा समर्थित परियोजनाओं पर चर्चा हुई। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र की नीतियों, येन ऋण, सहयोगात्मक टाई-अप, सौर ऊर्जा सहित नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। मंत्री शुक्ला ने प्रदेश की कृषि क्षमता, भूमि की उपलब्धता और समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी देते हुए नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल, रसायन एवं वस्त्र उद्योगों में निवेश की व्यापक संभावनाओं की जानकारी दी।

जियोस्टार

जियोस्टार के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मध्यप्रदेश के पर्यटन एवं यात्रा स्थलों की वीडियो और ऑडियो डॉक्यूमेंटेशन के माध्यम से ब्रांडिंग पर चर्चा हुई। नेशनल जियोग्राफिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिए प्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक सुंदरता को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने की संभावनाओं पर सहमति बनी।

ब्लूमबर्ग मीडिया

ब्लूमबर्ग मीडिया की प्रबंध निदेशक सुश्री सुनीता राजन के साथ प्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा नीति जगत के प्रमुख हितधारकों से जोड़ने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर अक्टूबर माह में भारत में आयोजित होने वाले ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति प्रस्तावित है, मध्यप्रदेश के प्रतिनिधित्व की संभावनाओं पर भी विचार किया गया।

आईआरईडीए

भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े वर्तमान एवं भावी परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-एनर्जी सहित अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय सहयोग तथा भविष्य की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। प्रदेश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए आईआरईडीए की भूमिका पर भी चर्चा हुई।

इम्पैक्ट फीचर/D-16152/25

वर्ल्ड इकोनामिक फोरम-2026 दावोस की गतिविधियां

- दावोस में मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक निवेशकों और तकनीकी नेतृत्व के साथ बहु-क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक संवाद किया।
- नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण पर अमारा राजा समूह, ग्रीन एनर्जी-3000, IREDA और पीस इन्वेस्ट के साथ महत्वपूर्ण चर्चाएँ हुईं।
- मुरैना में संचालित बैटरी स्टोरेज परियोजना और 24×7 नवीकरणीय ऊर्जा रणनीति को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया।
- पंप स्टोरेज, हाइब्रिड ऊर्जा मॉडल (सौर-जल, सौर-तापीय) और को-इन्वेस्टमेंट आधारित परियोजनाओं पर निवेश रुचि सामने आई।
- जापान बैंक के साथ येन ऋण, विनिर्माण, सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग की संभावनाओं पर मंथन हुआ।
- रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ चंबल अंचल में बायो-एनर्जी परियोजनाओं पर गहन चर्चा की गई।
- इज़राइल इनोवेशन अथॉरिटी के साथ क्वांटम टेक्नोलॉजी, एडटेक, रक्षा तकनीक और जल समाधान पर नवाचार सहयोग पर सहमति बनी।
- भारत-इज़राइल सहयोग के तहत पायलट प्रोजेक्ट्स, टेक्नोलॉजी डेमॉन्स्ट्रेशन और सह-निवेश मॉडल पर आगे बढ़ने का निर्णय।
- एआई और डीप-टेक क्षेत्र में टच लैब के साथ साइबर सुरक्षा, गेमिंग और डिजिटल इनोवेशन पर सहयोग की संभावनाएँ तलाशी गईं।
- नाट्रैक्स को एडवांस्ड मोबिलिटी, एआई-आधारित टेस्टिंग और नेक्स्ट-जेन टेक एप्लिकेशंस के लिए रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया।
- एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के साथ टियर-2 शहरों में आईटी, बीपीओ और जीसीसी/ओडीसी विस्तार पर सकारात्मक संवाद हुआ।
- कुशल मानव संसाधन, विश्वसनीय विद्युत, अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी और रेडी-टू-मूव-इन ऑफिस स्पेस को प्रमुख ताकत के रूप में रखा गया।
- वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम के दूसरे दिन मध्यप्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं निवेश कंपनियों के साथ रणनीतिक संवाद और सहयोगात्मक बैठकें कीं।
- ग्लोबल साउथ के लिए तैयार द मेरिडियन कलेक्टिव प्लेटफ़ॉर्म का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य उप-राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा परिवर्तन और औद्योगिक डिकार्बोनाइज़ेशन को गति देना है।
- TMC के माध्यम से निजी पूंजी, तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक नेटवर्क को राज्यों से जोड़ा जाएगा।
- इससे मध्य प्रदेश को 2030 तक 40–50% नवकरणीय ऊर्जा और 2050 से पहले नेट ज़ीरो लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग मिलेगा।
- विश्वविद्यालयों, कृषि अनुसंधान संस्थानों और स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट्स और सह-विकास पर जोर दिया गया।

निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा सहयोग पर महत्वपूर्ण बैठकें

- कृष्णन एन. बालेंद्र (चेयरपर्सन, जॉन कील्स होल्डिंग्स लिमिटेड) के साथ फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण, धार्मिक पर्यटन और नर्मदा बेसिन में कृषि-प्रसंस्करण पर निवेश संभावनाओं पर चर्चा हुई।
- गूगल के वाइस प्रेसिडेंट (एशिया पैसिफिक) संजय गुप्ता के साथ AI मिशन, क्लाउड डेटा सेंटर, AI इन्फ्रास्ट्रक्चर और कार्बन-फ्री डिजिटल इकोसिस्टम पर सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई।
- क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के डिप्टी सीईओ तुषार सिंघवी से स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स और अधोसंरचना क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं स्केलेबल निवेश अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया।
- ट्री एनर्जी सॉल्यूशंस (TES) के सीईओ मार्को अल्वेरा के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और e-NG आधारित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर संवाद हुआ, जो राज्य की भविष्य-उन्मुख ऊर्जा नीति के अनुरूप है।

मप्र है भरोसेमंद हरित ऊर्जा डेस्टिनेशन

दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम-2026 के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ReNew Power के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिन्हा के साथ महत्वपूर्ण संवाद किया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में हो रहे बदलावों के संदर्भ में मध्यप्रदेश की भूमिका और संभावनाओं को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तेजी से बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं और डेटा सेंटर आधारित अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को अवसर में बदलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य की नवकरणीय ऊर्जा नीति, व्यापक सौर क्षमता और ऊर्जा भंडारण की संभावनाएँ मध्यप्रदेश को भारत के सबसे भरोसेमंद हरित ऊर्जा डेस्टिनेशन में शामिल करती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और डिजिटल

विकास की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर, उन्नत विनिर्माण और नई तकनीकों के लिए स्थिर एवं स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सीईओ ReNew Power सुमंत सिन्हा ने मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में नीति स्पष्टता और प्रशासनिक समर्थन निवेशकों के लिए विश्वास का वातावरण निर्मित करता है।

एमओयू ▶ **मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में म.प्र. और डीपी वर्ल्ड के बीच हुआ एमओयू**

लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश सहयोग पर सहमति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बुधवार को दावोस में मध्यप्रदेश और वैश्विक लॉजिस्टिक्स एवं सप्लाई चेन क्षेत्र की संयुक्त अरब अमीरात (दुबई) में स्थित अग्रणी कंपनी डीपी वर्ल्ड के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

मध्यप्रदेश शासन की ओर से अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने एवं डीपी वर्ल्ड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा वित्त एवं व्यवसाय विकास अधिकारी अनिल मोहता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर डीपी वर्ल्ड के समूह अध्यक्ष सुल्तान अहमद बिन सुलायेम उपस्थित रहे। इस एमओयू के माध्यम से औद्योगिक विकास और निवेश सहयोग से जुड़े विषयों पर सहमति बनी, जो राज्य में लॉजिस्टिक्स, इन्फ्रॉस्ट्रक्चर और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

> एमओयू के दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और औपचारिक रूप से समझौता दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। यह समझौता ज्ञापन मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में एक सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

एमओयू में डीपी वर्ल्ड द्वारा मध्यप्रदेश में निवेश और सहयोग की संभावनाओं को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। यह पहल राज्य को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण एवं बुनियादी ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।